class 10th
sub hindi
date 17/4/20
learn and write in fair
notebook

प्र०5 इस आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए इसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

उत्तर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पूरे देश में देश भक्ति की लहर दौड़ रही थी। युवकों के साथ-साथ युवतियों ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। वर्ष 1945 में लेखिका दसवीं पास करके

फर्स्ट ईयर में गई तो उनकी मुलाकात प्रोफेसर शीला अग्रवाल से हुई। उनकी प्रेरणा से प्रभावित होकर लेखिका ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया। वह लड़कियों को इकट्ठा करके मैदान में नारे लगाती। उनके घर में राजनीतिक पार्टियों के लोगों की बहसे हुआ करती जिसे सुनकर वह विद्यार्थियों को इकट्ठा कर जोशीले भाषण चौराहों पर दिया करती थी। यहाँ तक की कॉलेज की सभी कक्षाओं के विद्यार्थी उनके संकेत पर कक्षाएँ छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेते थे।

प्र०6 मनुष्य के जीवन में आस - पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है। परंतु महानगरों में रहने वाले लोग प्राय : पड़ोस कल्चर से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार लिखिए।

उत्तर मनुष्य के जीवन में आस - पड़ोस का बहुत महत्व है। किसी भी मुश्किल में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। किंतु आज के शहरी जीवन में बड़ी विडंबना यही है कि कोई किसी से वास्ता नहीं रखता। पड़ोस के घर में बड़ी से बड़ी घटना होने पर भी लोग अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं। बड़े शहरों में रहने वाले लोग पड़ोस कल्चर से वंचित हैं। वे अपनी कोठियों एवं फ्लैट में ही कैद होकर रह जाते हैं। वे एक दूसरे के प्रति संवेदनशील नहीं रहे। इस कारण मनुष्य हृदय की उदारता, विशालता एवं उल्लास आदि सब गुण दिए गए हैं।